

इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु जानकारी

12 उपरांत इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना करिअर बनाने के इच्छुक छात्र हेतु इस क्षेत्र के अध्ययन केन्द्रों में प्रवेश हेतु आयोजित की जाने वाली परीक्षा की जानकारी प्रस्तुत है :

JEE परीक्षा:

JEE (Joint Entrance Examination) एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है जो भारत में विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों और तकनीकी संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। JEE मुख्य रूप से दो चरणों में होती है:

1. **JEE Main:** यह परीक्षा NITs (National Institutes of Technology), IITs (Indian Institutes of Information Technology), और अन्य केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थानों (CFTIs) में स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए होती है। इसके साथ ही, JEE Advanced के लिए भी पात्रता हासिल करने के लिए यह पहला चरण है।
2. **JEE Advanced:** यह परीक्षा उन छात्रों के लिए होती है जिन्होंने JEE Main में अच्छी रैंक हासिल की होती है। JEE Advanced के आधार पर, IITs (Indian Institutes of Technology) में प्रवेश दिया जाता है।

कौन आयोजित करता है:

JEE Main को **National Testing Agency (NTA)** द्वारा आयोजित किया जाता है।

JEE Advanced को **Indian Institutes of Technology (IITs)** द्वारा आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के आयोजन का जिम्मा हर साल अलग-अलग IIT पर होता है।

JEE Main

पात्रता मानदंड

JEE Main परीक्षा में शामिल होने के लिए कुछ पात्रता मानदंड होते हैं, जिनका पालन करना आवश्यक है। ये मानदंड निम्नलिखित हैं:

1. शैक्षिक योग्यता (Educational Qualification):

12वीं कक्षा (10+2) या समकक्ष परीक्षा में पास होना अनिवार्य है। आवेदक को Physics, Mathematics, और Chemistry/Biology/Biotechnology/Technical Vocational Subject में न्यूनतम 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। अगर किसी छात्र ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा दी है और उसके परिणाम अभी प्रतीक्षित हैं, तो वह भी JEE Main के लिए आवेदन कर सकता है।

आयु सीमा (Age Limit): JEE Main के लिए कोई विशेष आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है। हालांकि, परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदक को संबंधित बोर्ड के आयु मानदंडों का पालन करना होता है।

परीक्षा में प्रयासों की सीमा (Number of Attempts):

JEE Main परीक्षा में छात्र तीन वर्षों (3 years) तक भाग ले सकता है, और हर साल दो सत्र होते हैं। इसका मतलब है कि छात्र कुल मिलाकर छह प्रयास (6 attempts) कर सकता है, क्योंकि प्रत्येक वर्ष दो बार परीक्षा आयोजित की जाती है।

उदाहरण:

यदि किसी छात्र ने पहली बार JEE Main में 2024 में भाग लिया, तो वह 2024, 2025, और 2026 में परीक्षा दे सकता है।

प्रत्येक वर्ष दो सत्र होते हैं (जनवरी और अप्रैल), तो वह 2024 में दो बार, 2025 में दो बार, और 2026 में दो बार परीक्षा दे सकता है।

इस प्रकार, एक छात्र अधिकतम 6 बार JEE Main परीक्षा में शामिल हो सकता है।

. राष्ट्रियता (Nationality):

भारतीय नागरिक (Indian Nationals) इस परीक्षा के लिए पात्र होते हैं।

इसके अलावा, NRI (Non-Resident Indian), OCI (Overseas Citizen of India), और PIO (Person of Indian Origin) भी आवेदन कर सकते हैं।

इन सभी मानदंडों को पूरा करने के बाद, छात्र **JEE Main** परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है।

JEE Main का विवरण

परीक्षा का स्वरूप:

यह परीक्षा CBT मोड पर ऑनलाइन, आयोजित की जाती है, परीक्षा के प्रश्न बहुविकल्पीय उत्तरों पर आधारित होती है। इस परीक्षा में 2 पेपर होते हैं। प्रथम पेपर से (B.E./B.Tech) और पेपर 2 से (B.Arch/B.Planning) पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त होता है।

परीक्षा NITs, IIITs और अन्य केंद्रीय संस्थानों में प्रवेश के लिए होती है। JEE Main के आधार पर JEE Advanced के लिए योग्यता भी निर्धारित की जाती है।

पैटर्न (Pattern):

पेपर 1 (B.E./B.Tech):

संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण

विषय:

1. भौतिकी (Physics)
2. रसायन विज्ञान (Chemistry)
3. गणित (Mathematics)

JEE Main परीक्षा के पेपर 1 (B.E./B.Tech) में भौतिकी, रसायन विज्ञान, और गणित के प्रश्न होते हैं। यह परीक्षा कंप्यूटर आधारित होती है और इसमें बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) और संख्यात्मक मान वाले प्रश्न (Numerical Value Type Questions) पूछे जाते हैं।

1. प्रश्नों की कुल संख्या:

कुल 90 प्रश्न होते हैं (तीनों विषयों में से 30-30 प्रश्न)।

हर विषय (भौतिकी, रसायन विज्ञान, और गणित) में 20 MCQs और 10 Numerical Value Type प्रश्न होते हैं।

इनमें से, Numerical Value Type के 10 में से केवल 5 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम (विषयवार):

(i) भौतिकी (Physics):

विषय में अलग-अलग चैप्टर्स जैसे मैकेनिक्स, ऑप्टिक्स, थर्मोडायनमिक्स, इलेक्ट्रिसिटी, मैग्नेटिज्म, आधुनिक भौतिकी आदि से प्रश्न आते हैं।

प्रश्नों का स्तर 11वीं और 12वीं कक्षा के CBSE सिलेबस पर आधारित होता है।

(ii) रसायन विज्ञान (Chemistry):

इसमें तीन खंड होते हैं:

भौतिक रसायन (Physical Chemistry)

अकार्बनिक रसायन (Inorganic Chemistry)

कार्बनिक रसायन (Organic Chemistry)

रसायन विज्ञान के प्रश्न भी 11वीं और 12वीं के सिलेबस से आते हैं, लेकिन कभी-कभी वे अधिक गहन होते हैं।

(iii) गणित (Mathematics):

इसमें गणित के प्रमुख विषय जैसे अलजेब्रा, कोऑर्डिनेट ज्योमेट्री, कैलकुलस, ट्रिग्नोमेट्री, वैक्टर, 3D ज्योमेट्री, और मैट्रिक्स के प्रश्न होते हैं।

प्रश्नों के प्रकार:

(i) MCQs (Multiple Choice Questions):

हर प्रश्न के लिए 4 विकल्प दिए जाते हैं।

सही उत्तर के लिए 4 अंक मिलते हैं।

गलत उत्तर देने पर 1 अंक की कटौती (Negative Marking) होती है।

(ii) Numerical Value Type Questions:

इन प्रश्नों में कोई विकल्प नहीं होते, बल्कि उम्मीदवार को एक संख्यात्मक उत्तर टाइप करना होता है।

सही उत्तर पर 4 अंक मिलते हैं।

इन प्रश्नों में कोई नकारात्मक अंकन (Negative Marking) नहीं होता।

अंकन योजना:

प्रत्येक **MCQ** प्रश्न:

सही उत्तर: +4 अंक

गलत उत्तर: -1 अंक (Negative Marking)

प्रत्येक **Numerical Value** प्रश्न:

सही उत्तर: +4 अंक

गलत उत्तर: कोई कटौती नहीं (No Negative Marking)

समय अवधि:

परीक्षा की कुल अवधि 3 घंटे (180 मिनट) होती है।

अन्य महत्वपूर्ण बातें:

सभी प्रश्नों का स्तर JEE Main सिलेबस के अनुरूप होता है, जिसमें भौतिकी, रसायन विज्ञान, और गणित के प्रमुख विषय शामिल होते हैं।

Numerical Value Type प्रश्नों में कोई विकल्प नहीं होते, इसलिए ये समय-लेने वाले हो सकते हैं।

पेपर 2 (B.Arch/B.Planning):

JEE Main पेपर 2 उन छात्रों के लिए होता है, जो **B.Arch (Bachelor of Architecture)** या **B.Planning (Bachelor of Planning)** में प्रवेश लेना चाहते हैं। इस पेपर में आर्किटेक्चर और प्लानिंग से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं, और इसे दो भागों में विभाजित किया गया है:

1. **JEE Main पेपर 2A** (B.Arch के लिए)
2. **JEE Main पेपर 2B** (B.Planning के लिए)

JEE Main पेपर 2A (B.Arch)

पैटर्न:

यह पेपर आर्किटेक्चर पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए होता है और इसमें तीन खंड होते हैं:

1. गणित (Mathematics):

कुल प्रश्न: 30 (20 MCQs + 10 Numerical Value Type Questions)

अंक: 100 (प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक)

नकारात्मक अंकन: MCQs में गलत उत्तर के लिए 1 अंक की कटौती। Numerical Value Type प्रश्नों में कोई नकारात्मक अंकन नहीं है।

सिलेबस: 11वीं और 12वीं की गणित की किताबों से सवाल होते हैं, जैसे एलजेब्रा, कैलकुलस, स्टैटिस्टिक्स आदि।

2. एप्टीट्यूड टेस्ट (Aptitude Test):

कुल प्रश्न: 50 MCQs

अंक: 200 (प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक)

नकारात्मक अंकन: गलत उत्तर के लिए 1 अंक की कटौती।

सिलेबस: आर्किटेक्चरल अवेयरनेस, तीन-आयामी दृष्टिकोण, मेन्टल एबिलिटी, विजुअलाइज़ेशन, पैटर्न पर आधारित प्रश्न होते हैं।

3. ड्रॉइंग टेस्ट (Drawing Test):

कुल प्रश्न: 2 प्रश्न

अंक: 100 (प्रत्येक प्रश्न के लिए 50 अंक)

नकारात्मक अंकन: कोई नहीं।

सिलेबस: हाथ से ड्राइंग और स्केचिंग, थ्री-डायमेंशनल ऑब्जेक्ट्स, शैडिंग, परिप्रेक्ष्य ड्राइंग आदि।

कुल अंक: **400**

समय अवधि: **3** घंटे

JEE Main पेपर 2B (B.Planning)

पैटर्न:

यह पेपर प्लानिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए होता है और इसमें तीन खंड होते हैं:

1. गणित (**Mathematics**):

प्रश्न और अंक गणित पेपर 2A के समान ही होते हैं (30 प्रश्न, 100 अंक)।

2. एप्टीट्यूड टेस्ट (**Aptitude Test**):

प्रश्न और अंक एप्टीट्यूड टेस्ट पेपर 2A के समान ही होते हैं (50 प्रश्न, 200 अंक)।

3. प्लानिंग आधारित प्रश्न (**Planning Based Questions**):

कुल प्रश्न: 25 MCQs

अंक: 100 (प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक)

नकारात्मक अंकन: गलत उत्तर के लिए 1 अंक की कटौती।

सिलेबस: शहरीकरण, योजनाओं की प्रक्रिया, सरकारी योजनाएँ, विकास योजना, पर्यावरण की समझ आदि से जुड़े सवाल।

कुल अंक: **400**

समय अवधि: **3** घंटे

प्रश्नों के प्रकार:

गणित: MCQs और Numerical Value Based Questions।

एप्टीट्यूड: MCQs, जो मानसिक क्षमता, तीन-आयामी दृश्य दृष्टिकोण, और आर्किटेक्चर से जुड़े पैटर्न पर आधारित होते हैं।

ड्रॉइंग/प्लानिंग: यह खंड उम्मीदवार की आर्किटेक्चर और प्लानिंग से संबंधित रचनात्मकता, दृष्टिकोण और समझ को परखता है।

अंकन योजना:

MCQs: सही उत्तर के लिए +4 अंक, गलत उत्तर के लिए -1 अंक।

Numerical Value Type: सही उत्तर के लिए +4 अंक, कोई नकारात्मक अंकन नहीं।

ड्रॉइंग टेस्ट: उम्मीदवार के ड्रॉइंग कौशल का मूल्यांकन किया जाता है और प्रत्येक ड्रॉइंग प्रश्न के लिए अंक दिए जाते हैं।

समय प्रबंधन:

कुल समय 3 घंटे का होता है, और उम्मीदवार को तीनों सेक्शन में समय बांटना होता है। ड्रॉइंग और प्लानिंग के प्रश्न अधिक समय लेने वाले हो सकते हैं।

निष्कर्ष:

JEE Main पेपर 2 उन छात्रों के लिए डिजाइन किया गया है, जो आर्किटेक्चर या प्लानिंग के क्षेत्र में जाना चाहते हैं। गणित और एप्टीट्यूड सेक्शन उम्मीदवारों के विश्लेषणात्मक और मानसिक कौशल की जांच करते हैं, जबकि ड्रॉइंग और प्लानिंग सेक्शन उनकी रचनात्मकता और अवधारणात्मक क्षमता की परीक्षा लेते हैं।

परीक्षा की तारीखें

JEE Main परीक्षा हर साल NTA (National Testing Agency) द्वारा आयोजित की जाती है। यह परीक्षा दो सत्रों में होती है, ताकि छात्रों को दो अवसर मिल सकें और वे अपने सर्वोत्तम स्कोर का उपयोग कर सकें। चलिए देखते हैं कि JEE Main के लिए आवेदन और परीक्षा का समय क्या होता है:

आवेदन की तिथियाँ:

पहला सत्र (Session 1):

आवेदन की प्रक्रिया आम तौर पर दिसंबर महीने में शुरू होती है।

आवेदन फॉर्म जारी: दिसंबर के पहले या दूसरे सप्ताह में।

आवेदन की अंतिम तिथि: जनवरी के पहले सप्ताह तक।

दूसरा सत्र (Session 2):

दूसरा सत्र आमतौर पर मार्च या अप्रैल में होता है।

आवेदन फॉर्म जारी: मार्च के पहले या दूसरे सप्ताह में।

आवेदन की अंतिम तिथि: मार्च के अंत तक।

परीक्षा की तिथियाँ:

पहला सत्र:

यह सत्र जनवरी के अंत में या फरवरी के पहले सप्ताह में आयोजित किया जाता है।

दूसरा सत्र:

यह सत्र आमतौर पर अप्रैल के अंत या मई की शुरुआत में होता है।

परीक्षा परिणाम:

पहला सत्र: फरवरी के मध्य में।

दूसरा सत्र: मई के मध्य में।

JEE Main परीक्षा का पाठ्यक्रम

JEE Main परीक्षा का पाठ्यक्रम (Syllabus) तीन प्रमुख विषयों पर आधारित होता है: भौतिकी (Physics), रसायन विज्ञान (Chemistry), और गणित (Mathematics)। यह पाठ्यक्रम 11वीं और 12वीं कक्षा के NCERT सिलेबस पर आधारित होता है। विषयवार पाठ्यक्रम को विस्तार से निम्न है :

1. गणित (Mathematics)

मुख्य टॉपिक्स:

- सेट्स, रिलेशन और फंक्शन्स: सेट्स के प्रकार, संबंध और कार्य (Functions)।
- कॉम्प्लेक्स नंबर और क्वाड्रेटिक इक्वेशंस: कॉम्प्लेक्स नंबर के गुण, क्वाड्रेटिक इक्वेशंस।
- मैट्रिक्स और डिटरमिनेंट्स: मैट्रिक्स की बुनियादी बातें, डिटरमिनेंट्स और उनके गुण।
- परम्यूटेशन और कॉम्बिनेशन: गिनती के सिद्धांत, क्रमचय और संयोजन।
- मैथमेटिकल इंडक्शन: गणितीय प्रमेय और उनके सिद्धांत।
- बाइनोमियल थियोरम: बाइनोमियल विस्तार और गुण।
- सीक्वेंस और सीरीज: अंकगणितीय और ज्यामितीय प्रगति, हार्मोनिक सीरीज।
- डिफरेंशियल कैलकुलस: डेरिवेटिव्स और उनके अनुप्रयोग।
- इंटीग्रल कैलकुलस: निश्चित और अनिश्चित इंटीग्रल्स, डिफरेंशियल समीकरण।
- ट्रिग्नोमेट्री: ट्रिग्नोमेट्रिक आइडेंटिटीज, इक्वेशंस, और गुण।
- कोऑर्डिनेट ज्यामेट्री: रेखाएं, वृत्त, परवलय, हाइपरबोला।
- थ्री-डाइमेंशनल ज्यामेट्री: लाइन्स, प्लेस, और उनके बीच की दूरी।
- वेक्टरस: वेक्टर और उनके गुण।

14. स्टैटिस्टिक्स और प्रॉबेबिलिटी: डेटा की व्याख्या, संभाव्यता के सिद्धांत।
15. मैथमैटिकल रीजनिंग: तार्किक प्रमेय, कथनों के सत्यापन।
-

2. भौतिकी (Physics)

वर्गीकरण:

थ्योरी (Theory) और

प्रायोगिक (Experimental)

मुख्य टॉपिक्स:

1. यांत्रिकी (Mechanics):

काइनेमैटिक्स

न्यूटन के गति के नियम

कार्य, ऊर्जा, और शक्ति

गति की नियम (Laws of Motion)

गति के समेकन (Center of Mass)

रोटेशनल मोशन

ग्रेविटेशन

2. द्रवगतिकी (Fluid Mechanics):

तरल अवस्था

दाब और प्रवाह

3. थर्मोडायनामिक्स:

ऊष्मागतिकी के नियम

ऊष्मीय गुण

4. वर्तुल गति (Oscillations & Waves):

सरल हार्मोनिक गति

तरंगों का गुण

5. इलेक्ट्रोस्टैटिक्स:

चार्ज और गुण

कैपेसिटर्स और विद्युत क्षेत्र

6. करंट इलेक्ट्रिसिटी:

विद्युत धारा

सर्किट के सिद्धांत

7. चुंबकत्व और चुंबकीय क्षेत्र:

चुंबकीय क्षेत्र के गुण

विद्युत चुम्बकीय प्रेरण (Electromagnetic Induction)

8. ऑप्टिक्स:

परावर्तन, अपवर्तन

लेंस और उनकी विशेषताएँ

9. आधुनिक भौतिकी:

क्वांटम सिद्धांत

परमाणु और नाभिकीय भौतिकी

अर्धचालक युक्तियाँ (Semiconductors)

10. प्रायोगिक भौतिकी (Practical Physics):

मापन और अशुद्धियाँ (Errors and Measurements)

सामान्य प्रयोग (Common Experiments)

3. रसायन विज्ञान (Chemistry)

रसायन विज्ञान को तीन प्रमुख खंडों में विभाजित किया गया है:

(i) भौतिक रसायन (Physical Chemistry):

1. मोल की अवधारणा (Mole Concept): मोल, एटॉमिक और मोलर मास।
2. स्टॉइकिओमेट्री: रासायनिक समीकरण, संतुलन।
3. थर्मोडायनामिक्स: ऊष्मागतिकी के प्रथम और द्वितीय नियम।
4. रासायनिक बलगतिकी (Chemical Kinetics): अभिक्रियाओं की गति।
5. इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री: विद्युत अपघटन, बैटरी और सेल्स।
6. गैसों और तरल पदार्थों के गुण: गैसों के नियम।
7. समतुल्यता और इलेक्ट्रोलाइटिक पृथक्करण (Equilibrium): दाब संतुलन, पीएच।

(ii) अकार्बनिक रसायन (Inorganic Chemistry):

1. पारिवारिक गुणधर्म (Periodic Properties): आवर्त सारणी और उनके गुण।
2. बंध सिद्धांत (Chemical Bonding): आयनिक, सहसंयोजक बंध।
3. संक्रमण धातुएं और उनके यौगिक: D और F ब्लॉक तत्व।
4. समन्वय यौगिक (Coordination Compounds): जटिल यौगिक और उनके गुणधर्म।

(iii) कार्बनिक रसायन (Organic Chemistry):

1. हाइड्रोकार्बन: अल्केन, अल्कीन, अल्काइन।
2. फंक्शनल ग्रुप्स: ऐल्कोहॉल्स, ईथर, ऐल्डीहाइड्स, कीटोन्स।
3. बायोमोलेक्युल्स: कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन्स, एंजाइम्स।
4. पॉलिमर: पॉलिमर और उनके उपयोग।
5. रसायन विज्ञान की दैनिक जीवन में उपयोगिता: दवाएं, डिटर्जेंट, खाद्य पदार्थों में रसायन।

महत्वपूर्ण बातें:

सभी विषयों के प्रश्न NCERT की पुस्तकों के सिलेबस पर आधारित होते हैं।

थ्योरी और प्रैक्टिकल ज्ञान दोनों आवश्यक होते हैं, खासकर भौतिकी और रसायन विज्ञान में।

JEE Advanced परीक्षा

JEE Advanced भारत की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं में से एक है। यह परीक्षा उन छात्रों के लिए आयोजित की जाती है जो देश के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों जैसे IITs (Indian Institutes of Technology) में प्रवेश लेना चाहते हैं। JEE Advanced केवल उन छात्रों के लिए होती है जो JEE Main में अच्छा प्रदर्शन करते हैं और JEE Main की मेरिट लिस्ट में आते हैं।

JEE Advanced के बारे में जानकारी

JEE Advanced के लिए पात्रता (Eligibility Criteria) कुछ विशिष्ट मापदंडों पर आधारित होती है, जिन्हें उम्मीदवारों को परीक्षा में शामिल होने के लिए पूरा करना होता है। ये मापदंड मुख्य रूप से शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, और परीक्षा प्रयासों पर आधारित हैं। जो निम्न है :

1. JEE Main में क्वालिफाई करना

JEE Advanced में शामिल होने के लिए उम्मीदवार को पहले JEE Main परीक्षा पास करनी होती है।

उम्मीदवार को JEE Main की रैंकिंग में टॉप 2.5 लाख (2,50,000) छात्रों में शामिल होना आवश्यक है।

सामान्य श्रेणी (GEN): 40.5% उम्मीदवार।

EWS श्रेणी: 10% उम्मीदवार।

OBC-NCL श्रेणी: 27% उम्मीदवार।

SC श्रेणी: 15% उम्मीदवार।

ST श्रेणी: 7.5% उम्मीदवार।

PwD श्रेणी: सभी कैटेगरी में 5% क्षैतिज आरक्षण।

2. आयु सीमा (Age Limit)

JEE Advanced के लिए कोई न्यूनतम आयु सीमा नहीं है। आमतौर पर, उम्मीदवारों को 12वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद परीक्षा के लिए उपस्थित होने की अनुमति होती है।

अधिकतम आयु:

सामान्य (General) और OBC-NCL श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए, 25 वर्ष है।

SC, ST, और PwD श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए, 5 वर्ष की छूट दी जाती है, इस आयु सीमा का पालन सभी उम्मीदवारों को करना अनिवार्य है।

3. अधिकतम प्रयास

उम्मीदवार JEE Advanced परीक्षा को अधिकतम दो बार लगातार दो वर्षों में दे सकते हैं।

इसका मतलब है कि यदि आपने 12वीं कक्षा की परीक्षा एक वर्ष में दी है, तो इस वर्ष एवं अगले वर्ष आप JEE Advanced दे सकते हैं।

4. शैक्षणिक योग्यता (Educational Qualification)

उम्मीदवार ने 12वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा पास की होनी चाहिए।

12वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा में निम्नलिखित शर्तें पूरी होनी चाहिए:

- सामान्य श्रेणी (General/EWS/OBC): उम्मीदवार को कुल मिलाकर 75% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने चाहिए, या उसे अपने बोर्ड परीक्षा में टॉप 20 पर्सेंटाइल में होना चाहिए।
- आरक्षित श्रेणियों (SC, ST, PwD) के उम्मीदवारों के लिए यह प्रतिशत 65% है।

अनिवार्य विषय: 12वीं कक्षा में भौतिकी (Physics), गणित (Mathematics) और एक अन्य विषय (रसायन विज्ञान/Chemistry, जीवविज्ञान/Biology, कंप्यूटर साइंस/Computer Science आदि) अनिवार्य हैं।

5. पहले से IIT में प्रवेश न होना (No Prior IIT Admission)

वह उम्मीदवार जो पहले से IIT में किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश ले चुके हैं या जिन्होंने IIT के किसी कार्यक्रम में प्रवेश लिया था लेकिन बाद में प्रवेश वापस ले लिया, वे JEE Advanced के लिए पात्र नहीं होते।

जिन उम्मीदवारों ने IITs में तैयारी (प्रिपरेटरी) कोर्स के लिए नामांकन किया है, वे पात्र होते हैं।

सारांश:

1. JEE Main के टॉप 2.5 लाख छात्रों में होना चाहिए।
2. उम्मीदवार की आयु 1 अक्टूबर 1999 के बाद की होनी चाहिए (SC, ST, PwD के लिए 5 साल की छूट)।
3. उम्मीदवार परीक्षा में दो प्रयास तक ही कर सकते हैं।
4. 12वीं कक्षा में 75% (SC/ST के लिए 65%) या बोर्ड के टॉप 20 पर्सेंटाइल में होना चाहिए।
5. पहले से किसी IIT में प्रवेश नहीं लिया होना चाहिए।

परीक्षा की तैयारी कैसे करें

JEE परीक्षा की तैयारी हेतु एवं परीक्षा के पैटर्न को समझने के लिए पठन सामग्री, पूर्व वर्षों के प्रश्न पत्र के साथ साथ mock टेस्ट में शामिल होना किसी भी छात्र के लिए अत्यंत लाभदायक होता है, जिसकी जानकारी निम्न प्रस्तुत है :

NTA (National Testing Agency) की आधिकारिक वेबसाइट JEE Main और अन्य परीक्षाओं के लिए पठन सामग्री (study material) और मॉक टेस्ट्स प्रदान करती है, ताकि उम्मीदवार अपनी तैयारी को बेहतर कर सकें।

1. NTA Mock Test Platform

NTA उम्मीदवारों के लिए अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर JEE परीक्षा की तैयारी के लिए मॉक टेस्ट की सुविधा प्रदान करता है। इसे आप NTA Mock Test पेज पर जाकर एक्सेस कर सकते हैं।

ऑफलाइन एवं ऑनलाइन टेस्ट: यह प्लेटफॉर्म कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) फॉर्मेट पर आधारित होता है, जिससे उम्मीदवार असली परीक्षा जैसा अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

विभिन्न भाषाओं में मॉक टेस्ट: NTA मॉक टेस्ट हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध कराता है।

NTA Abhyas App

NTA Abhyas App NTA द्वारा डिज़ाइन किया गया एक मोबाइल ऐप है, जो उम्मीदवारों को JEE Main के लिए मॉक टेस्ट का अभ्यास करने की सुविधा देता है। यह ऐप एंड्रॉइड और iOS दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

इसमें रोजाना एक नया मॉक टेस्ट उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही, हर टेस्ट के बाद विस्तृत एनालिसिस और समाधान भी मिलते हैं।

2. पठन सामग्री (Study Material)

NTA की वेबसाइट पर JEE Main और अन्य परीक्षाओं के लिए पठन सामग्री भी उपलब्ध है:

सिलेबस: NTA की वेबसाइट पर JEE Main का पूरा सिलेबस उपलब्ध होता है, जिसे उम्मीदवार डाउनलोड कर सकते हैं।

मॉक टेस्ट के प्रश्न पत्र: पिछले सालों के प्रश्न पत्र और मॉक टेस्ट की उपलब्धता उम्मीदवारों को परीक्षा पैटर्न समझने में मदद करती है।

ऑफिशियल गाइडलाइन्स: NTA उम्मीदवारों को JEE Main के लिए अध्ययन के संसाधन और गाइडलाइन्स भी प्रदान करता है, जिससे उम्मीदवार अपनी तैयारी को सही दिशा में ले जा सकते हैं।

3. JEE Main Previous Year Papers

NTA की वेबसाइट पर उम्मीदवार JEE Main के पिछले सालों के प्रश्न पत्रों को भी एक्सेस कर सकते हैं, जिससे उन्हें परीक्षा का पैटर्न और कठिनाई स्तर समझने में मदद मिलती है। प्रश्न पत्र का अभ्यास उम्मीदवारों को उनकी तैयारी को जांचने का मौका देता है।

4. Test Practice Centers (TPCs)

NTA ने देशभर में कई **Test Practice Centers (TPCs)** स्थापित किए हैं। उम्मीदवार इन केंद्रों पर जाकर NTA द्वारा आयोजित मॉक टेस्ट दे सकते हैं। ये केंद्र उन छात्रों के लिए उपयोगी हैं जो तकनीकी सुविधाओं से वंचित हैं।

5. आधिकारिक वेबसाइट लिंक:

NTA की आधिकारिक वेबसाइट: <https://nta.ac.in>

NTA Mock Test प्लेटफॉर्म: <https://nta.ac.in/Quiz>

NTA Abhyas App डाउनलोड: Google Play Store

NTA द्वारा प्रदान किए गए ये संसाधन उम्मीदवारों के लिए एक बेहतरीन तरीका हैं ताकि वे JEE Main की बेहतर तैयारी कर सकें।

काउंसलिंग प्रक्रिया

JEE Main और JEE Advanced के बाद होने वाली काउंसलिंग प्रक्रिया का मुख्य रूप से दो चरणों में विभाजन किया जाता है: **JoSAA (Joint Seat Allocation Authority)** और **CSAB (Central Seat Allocation Board)** के माध्यम से। आइए इनकी प्रक्रिया निम्न हैं:

1. JoSAA काउंसलिंग प्रक्रिया (JEE Main और JEE Advanced दोनों के लिए):

JoSAA काउंसलिंग प्रक्रिया का उद्देश्य IITs, NITs, IIITs, और अन्य GFTIs (Government Funded Technical Institutes) में प्रवेश प्रदान करना है। यह प्रक्रिया JEE Main और JEE Advanced दोनों परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर की जाती है।

प्रक्रिया:

1. रजिस्ट्रेशन: JoSAA की आधिकारिक वेबसाइट पर उम्मीदवारों को पंजीकरण करना होता है। JEE Main के लिए पात्रता रखने वाले उम्मीदवार NITs, IIITs, और GFTIs के लिए पात्र होते हैं, जबकि JEE Advanced पास करने वाले IITs के लिए पात्र होते हैं।
2. चॉइस फिलिंग: उम्मीदवारों को अपनी पसंद के संस्थान और कोर्स का चयन करना होता है।
3. सीट अलॉटमेंट: उम्मीदवारों की रैंक, भरे गए विकल्पों और सीट की उपलब्धता के आधार पर सीट आवंटन किया जाता है।
4. सीट फ्रीज/फ्लोट/स्लाइड विकल्प:
 - फ्रीज: अगर उम्मीदवार आवंटित सीट को स्वीकार करना चाहता है।
 - फ्लोट: अगर वह किसी बेहतर विकल्प का इंतजार कर रहा है।
 - स्लाइड: अगर वह उसी संस्थान में दूसरे कोर्स के लिए इंतजार कर रहा है।
5. डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन: आवंटित संस्थान में जाकर सभी आवश्यक दस्तावेजों की पुष्टि करनी होती है।

6. फाइनल एडमिशन: जब दस्तावेजों की पुष्टि हो जाती है, तो उम्मीदवार को संस्थान में प्रवेश मिलता है।

2. CSAB काउंसलिंग प्रक्रिया (JEE Main के लिए):

JoSAA काउंसलिंग के बाद, बचे हुए सीटों के लिए CSAB विशेष काउंसलिंग आयोजित करता है। इसमें **CSAB** स्पेशल राउंड और **CSAB** सुपरन्यूमेररी राउंड शामिल होते हैं, जो NITs, IIITs, और GFTIs में सीट आवंटन के लिए होते हैं।

प्रक्रिया:

1. रजिस्ट्रेशन: CSAB काउंसलिंग के लिए अलग से पंजीकरण करना होता है।
2. चॉइस फिलिंग और सीट अलॉटमेंट: JoSAA की तरह ही उम्मीदवारों को चॉइस फिलिंग करनी होती है और रैंक के आधार पर सीट आवंटित होती है।
3. डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन: उम्मीदवारों को उनके द्वारा चयनित संस्थान में जाकर दस्तावेज सत्यापन कराना होता है।
4. सीट कन्फर्मेशन: अंतिम रूप से सीट की पुष्टि होने के बाद, उम्मीदवारों को प्रवेश मिलता है।

यह काउंसलिंग प्रक्रिया ऑनलाइन होती है और JEE Main तथा JEE Advanced के परिणामों के आधार पर सीट आवंटित की जाती है।

इस पूरी प्रक्रिया के लिए उम्मीदवारों को समय-समय पर आधिकारिक वेबसाइट पर जाना चाहिए और JoSAA के दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए।

सीटों की संख्या

JEE (Joint Entrance Examination) Main और JEE Advanced के माध्यम से भारत के प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश मिलता है, जिसमें IITs, NITs, IIITs आदि शामिल हैं। यहां IIT, NIT, और IIIT में उपलब्ध सीटों की संख्या दी गई है (2023 के आंकड़ों के अनुसार):

1. IITs (Indian Institutes of Technology)

- कुल IITs की संख्या: 23
- कुल सीटें: लगभग 16,000
 - इसमें सामान्य B.Tech प्रोग्राम की सीटें और अन्य कैटेगरी की सीटें शामिल हैं।

2. NITs (National Institutes of Technology)

- कुल NITs की संख्या: 31
- कुल सीटें: लगभग 23,000
 - NITs में JEE Main के माध्यम से प्रवेश मिलता है।

3. IIITs (Indian Institutes of Information Technology)

- कुल IIITs की संख्या: 26 (सरकारी वित्तपोषित)
- कुल सीटें: लगभग 7,000

इसके अलावा कुछ अन्य GFTIs (Government Funded Technical Institutes) भी हैं जिनकी कुल सीटें 5000 के आसपास हैं।

यह संख्या हर साल बदलती रहती है, इसलिए आधिकारिक काउंसलिंग साइट से नवीनतम जानकारी लेना उचित होगा।

विशेषज्ञों के सुझाव

JEE परीक्षा की तैयारी को लेकर विशेषज्ञों की कुछ महत्वपूर्ण टिप्स नीचे दी गई हैं, जो आपकी तैयारी को मजबूत बना सकती हैं:

1. सिलेबस और परीक्षा पैटर्न को अच्छी तरह से समझें:

JEE Main और JEE Advanced की तैयारी की शुरुआत सिलेबस और परीक्षा पैटर्न को पूरी तरह से समझने से करनी चाहिए। दोनों परीक्षाओं का सिलेबस काफी व्यापक होता है, इसलिए सिलेबस के हर हिस्से को ध्यान से पढ़ें।

टॉपिक वेटेज को ध्यान में रखें। कुछ विषयों के लिए ज्यादा वेटेज होता है, इसलिए उनको प्राथमिकता के साथ तैयार करें।

पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का विश्लेषण करें। इससे परीक्षा के पैटर्न और सवालों के प्रकार को समझने में मदद मिलेगी।

2. नियमित रूप से मॉक टेस्ट दें:

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि नियमित मॉक टेस्ट देना बेहद जरूरी है। इससे आप अपनी तैयारी को जांच सकते हैं और यह भी पता कर सकते हैं कि किन विषयों में आपको सुधार की जरूरत है।

NTA Abhyas App और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे Embibe, Unacademy, Vedantu पर मॉक टेस्ट उपलब्ध हैं।

समय प्रबंधन और परीक्षा की रणनीति के लिए मॉक टेस्ट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इन्हें परीक्षा की तरह दें और अपनी गलतियों से सीखें।

3. कठिन विषयों पर ध्यान दें:

हर उम्मीदवार के लिए कुछ विषय कठिन होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन विषयों को नज़रअंदाज़ न करें, बल्कि उन्हें ज्यादा समय दें।

कठिन विषयों को आसान बनाने के लिए समय सारिणी बनाएं, और उन्हें चरणबद्ध तरीके से पढ़ें।

फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स में उन विषयों पर ध्यान केंद्रित करें जिनमें आपकी पकड़ कमजोर है।

4. कंसेप्ट क्लियर रखें:

JEE की परीक्षा में रटने की बजाय कंसेप्ट को अच्छी तरह समझना ज्यादा जरूरी है। कई सवाल ऐसे होते हैं जो एक ही कंसेप्ट पर आधारित होते हैं, लेकिन उनका प्रस्तुतिकरण अलग होता है।

फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स के सभी मूलभूत सिद्धांतों को स्पष्ट रूप से समझें। किताबों और ऑनलाइन संसाधनों से गहराई से अध्ययन करें।

5. रिविजन को महत्व दें:

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि नियमित रिविजन से विषयों की समझ और पकड़ को बरकरार रखना जरूरी है। विशेषकर गणित और फिजिक्स जैसे विषयों में लगातार प्रैक्टिस से मदद मिलती है।

आप जो भी पढ़ रहे हैं, उसे बार-बार रिवाइज करें, ताकि वो लंबे समय तक याद रहे और परीक्षा के दौरान आप जल्दी से प्रश्नों का उत्तर दे सकें।

6. मेंटल स्ट्रेंथ और टाइम मैनेजमेंट:

परीक्षा की तैयारी के दौरान मानसिक ताकत को बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। तनाव को दूर करने के लिए नियमित रूप से ब्रेक लें और अपनी रुचि के अनुसार मनोरंजन करें।

समय का सही प्रबंधन करें। हर विषय के लिए एक तय समय निर्धारित करें और उस समय में ही उसे पूरा करने की कोशिश करें।

7. NCERT की किताबों से शुरुआत करें:

JEE Main और JEE Advanced की तैयारी के लिए NCERT की किताबें सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि शुरुआत में इन किताबों से पढ़ाई करें, क्योंकि JEE के अधिकतर प्रश्न इन्हीं किताबों पर आधारित होते हैं।

गणित, फिजिक्स और केमिस्ट्री के NCERT को गहराई से पढ़ें और उनके सवालों को हल करें।

8. शॉर्ट नोट्स बनाएं:

जब भी आप कोई टॉपिक पढ़ें, उसका शॉर्ट नोट्स तैयार करें। यह रिवीजन के समय बहुत मददगार साबित होता है। नोट्स में फॉर्मूलों, महत्वपूर्ण सिद्धांतों, और महत्वपूर्ण पॉइंट्स को लिखें।

ये शॉर्ट नोट्स परीक्षा से पहले आपको जल्दी से पूरा सिलेबस रिविज कराने में मदद करेंगे।

9. सेल्फ एनालिसिस करें:

अपनी तैयारी को समय-समय पर खुद से मूल्यांकित करें। अपनी प्रगति को समझने के लिए मॉक टेस्ट और प्रश्नपत्र हल करने के बाद उसकी समीक्षा करें।

गलतियों पर ध्यान दें और यह पता लगाएं कि कहां आप सुधार कर सकते हैं।

10. पॉजिटिव रहें:

तैयारी के दौरान सकारात्मक बने रहना और आत्म-विश्वास बनाए रखना बेहद आवश्यक है। परीक्षा के दौरान तनाव से बचने के लिए ध्यान (मेडिटेशन) या योग भी कर सकते हैं।

ये टिप्स JEE Main और JEE Advanced की तैयारी को सही दिशा में लेकर जाने में मदद कर सकती हैं, और इनका पालन करने से परीक्षा में सफल होने की संभावना बढ़ जाती है।

छत्तीसगढ़ में इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश की प्रक्रिया

मुख्य रूप से CG PET (Chhattisgarh Pre-Engineering Test) के माध्यम से होती है, जिसे CG Vyapam (Chhattisgarh Professional Examination Board) आयोजित करता है। इसके अलावा, JEE Main के स्कोर के आधार पर भी प्रवेश दिया जाता है। यहां पूरी प्रक्रिया दी जा रही है:

1. परीक्षा का आधार (Entrance Exams):

- CG PET (Chhattisgarh Pre-Engineering Test): यह राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा है, जिसे छत्तीसगढ़ के सरकारी और निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित किया जाता है।
- JEE Main: JEE Main स्कोर के आधार पर भी छत्तीसगढ़ के इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश मिलता है। JEE Main में अच्छा स्कोर करने वाले छात्र सीधे काउंसलिंग प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं।

2. पात्रता मापदंड (Eligibility Criteria):

- उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं (PCM) (Physics, Chemistry, Mathematics) में न्यूनतम 45% (आरक्षित वर्ग के लिए 40%) अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

- उम्मीदवार का छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना अनिवार्य है, खासकर CG PET के तहत प्रवेश पाने के लिए।

3. आवेदन प्रक्रिया (Application Process):

उम्मीदवारों को CG PET या JEE Main के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होता है। CG PET के लिए आवेदन प्रक्रिया CG Vyapam की आधिकारिक वेबसाइट पर होती है।

JEE Main के लिए आवेदन NTA की आधिकारिक वेबसाइट पर होता है।

छत्तीसगढ़ में कुछ प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थान

छत्तीसगढ़ के प्रमुख संस्थानों और उनमें प्रवेश के तरीके के बारे में जानकारी दी गई है:

Indian Institute of Technology Bhilai

प्रवेश परीक्षा: JEE Advance

NIT रायपुर (National Institute of Technology, Raipur)

प्रवेश परीक्षा: JEE Main

कुल सीटें: लगभग 1,000-1,100

कोर्स: B.Tech, M.Tech, PhD

प्रवेश प्रक्रिया: JEE Main के माध्यम से प्राप्त रैंक के आधार पर, सीटें JoSAA (Joint Seat Allocation Authority) काउंसलिंग के माध्यम से आवंटित की जाती हैं।

शाखाएँ (Branches): Computer Science, Electrical, Mechanical, Civil, Electronics & Communication, आदि।

International Institute of Information Technology Naya Raipur

प्रवेश परीक्षा: Pre-Engineering Test (CG PET) और JEE Main

गुरु घासीदास यूनिवर्सिटी (Guru Ghasidas Vishwavidyalaya), बिलासपुर

प्रवेश परीक्षा: JEE Main

कुल सीटें: लगभग 400-500 (B.Tech)

कोर्स: B.Tech, M.Tech, PhD

प्रवेश प्रक्रिया: JEE Main स्कोर के आधार पर काउंसलिंग प्रक्रिया के माध्यम से।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (**Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya**), रायपुर

प्रवेश परीक्षा: Pre-Engineering Test (CG PET) और JEE Main

कुल सीटें: लगभग 200 (B.Tech in Agricultural Engineering)

कोर्स: B.Tech in Agricultural Engineering

छत्तीसगढ़ के शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज (**Government Engineering College**)

प्रवेश परीक्षा: CG PET (Chhattisgarh Pre-Engineering Test) और JEE Main

प्रमुख सरकारी कॉलेज:

Government Engineering College, Raipur

Government Engineering College, Bilaspur

Government Engineering College, Jagdalpur

कुल सीटें: हर कॉलेज में लगभग 300-500

शाखाएँ (Branches): Civil, Mechanical, Electrical, Computer Science, Electronics, आदि।

Private Engineering Colleges

छत्तीसगढ़ में कई प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज भी हैं जो AICTE द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। इन कॉलेजों में भी प्रवेश CG PET और JEE Main के माध्यम से होता है।

प्रमुख प्राइवेट कॉलेज:

Bhilai Institute of Technology

Rungta College of Engineering and Technology, Bhilai

Shri Shankaracharya Technical Campus, Bhilai

OP Jindal University, Raigarh

कुल सीटें: हर प्राइवेट कॉलेज में लगभग 200-1000 सीटें होती हैं, कॉलेज के आकार और पाठ्यक्रम के अनुसार।

प्रवेश के तरीके:

1. JEE Main: भारत के किसी भी NIT, IIIT, और कुछ राज्य स्तरीय संस्थानों में प्रवेश के लिए आवश्यक है।
2. CG PET: छत्तीसगढ़ राज्य की इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा है, जिसके माध्यम से राज्य के सरकारी और प्राइवेट कॉलेजों में दाखिला लिया जा सकता है।
3. JoSAA काउंसलिंग: JEE Main और JEE Advanced में प्राप्त रैंक के आधार पर सीट आवंटन।

काउंसलिंग प्रक्रिया (Counseling Process):

छत्तीसगढ़ में इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया मुख्य रूप से DTE Chhattisgarh (Directorate of Technical Education) द्वारा आयोजित की जाती है। इसमें दो प्रमुख आधार होते हैं:

CG PET रैंक के आधार पर काउंसलिंग: उम्मीदवारों को उनकी रैंक के आधार पर विभिन्न कॉलेजों और ब्रांचों का विकल्प चुनने का मौका मिलता है।

JEE Main स्कोर के आधार पर काउंसलिंग: JEE Main में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्र भी इसी काउंसलिंग में हिस्सा लेते हैं।

ऑनलाइन काउंसलिंग होती है, जिसमें छात्रों को अपनी पसंद के कॉलेज और ब्रांच का चयन करना होता है।

काउंसलिंग के चरण:

1. रजिस्ट्रेशन: काउंसलिंग के लिए उम्मीदवारों को DTE की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करना होता है।
2. चॉइस फिलिंग: रजिस्ट्रेशन के बाद, छात्र अपने पसंदीदा कॉलेज और ब्रांच का चयन करते हैं।
3. सीट आवंटन (Seat Allotment): छात्रों की रैंक और उनके द्वारा चुने गए विकल्पों के आधार पर सीट आवंटन किया जाता है।
4. डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन: आवंटित कॉलेज में छात्रों को अपने दस्तावेजों की सत्यापन प्रक्रिया पूरी करनी होती है।
5. फीस भुगतान और प्रवेश (Fee Payment and Admission): दस्तावेज सत्यापन के बाद, छात्रों को निर्धारित फीस का भुगतान करना होता है और कॉलेज में अपनी सीट सुनिश्चित करनी होती है।

5. जरूरी दस्तावेज (Required Documents):

10वीं और 12वीं की मार्कशीट

CG PET या JEE Main का स्कोरकार्ड

संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण

निवास प्रमाण पत्र

कैटेगरी प्रमाण पत्र (अगर लागू हो)

फोटो और सिग्नेचर